Table of Contents

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]

[illegible]

[illegible] (अंग्रेजी) [illegible] का [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ‘[illegible]’ का [illegible] का [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

भारत
INDIA

1

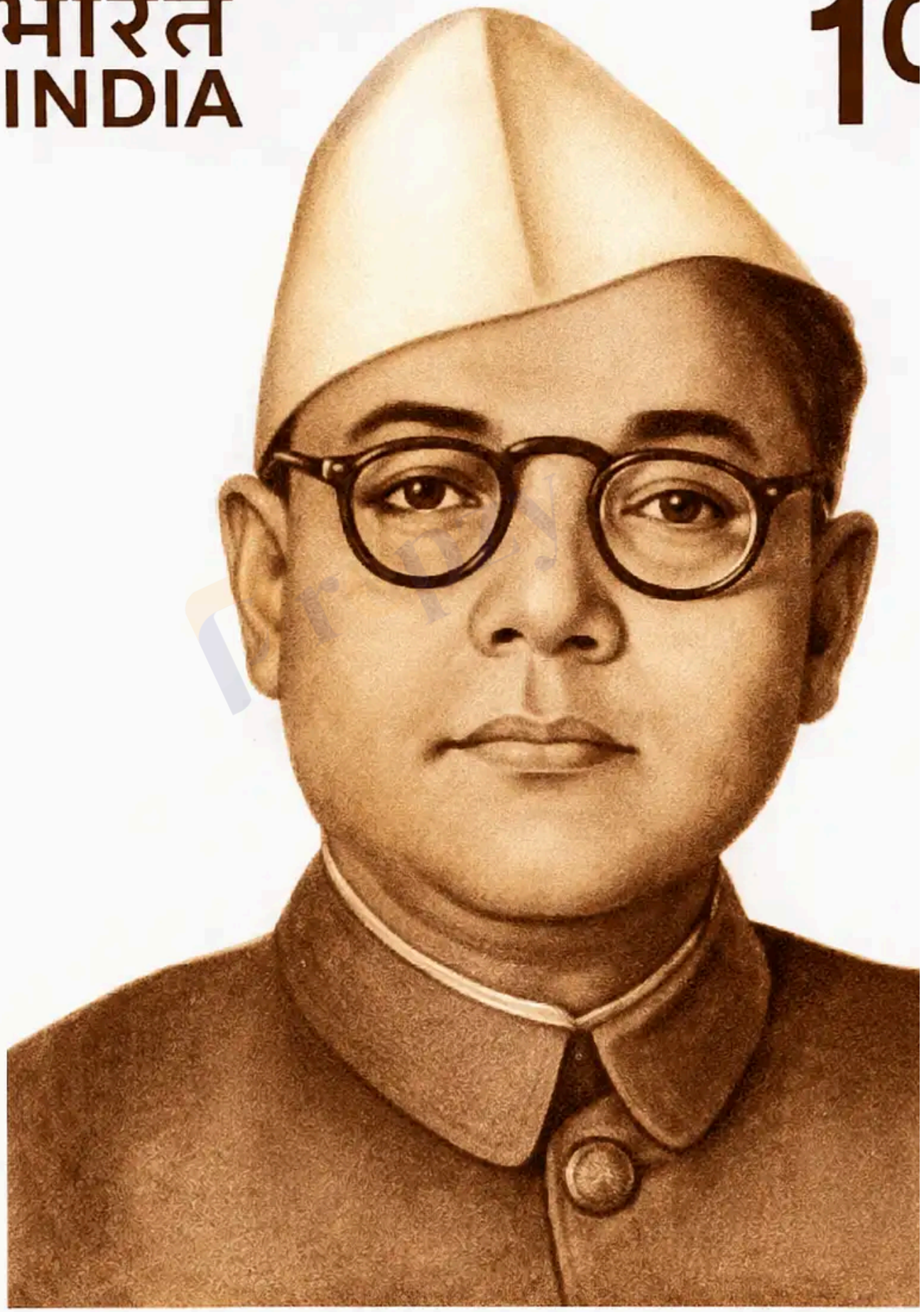

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

NETAJI SUBHAS CHANDRA BO
1997
1897-1947

मुख्य बिंदु

- नेताजी का जन्म कटक, उड़ीसा में हुआ।
- स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान महत्वपूर्ण था।
- आजाद हिंद फौज के नेतृत्वकर्ता थे।
- प्रेरक नारे जैसे "दिल्ली चलो", "जय हिंद" और "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा" दिए।
- स्वाधीन और आत्मनिर्भर राष्ट्र का सपना देखा।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा" - यह नारा उनकी क्रांतिकारी सोच को दर्शाता है।

अभ्यास प्रश्न

- नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म कहाँ हुआ था?
- नेताजी ने किस फौज का नेतृत्व किया?
- उनके कौन से नारे प्रसिद्ध हैं?

Prepzy

उत्तर कुंजी

- कटक, उड़ीसा में।
- आजाद हिंद फौज।
- "दिल्ली चलो", "जय हिंद", "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा"।

शब्दावली

- नेताजी : सम्मानित नेता
- आजाद हिंद फौज : स्वतंत्रता सेनानी सेना
- क्रांति : बड़ा बदलाव या विद्रोह

नेताजी का स्वप्न और युवाओं के लिए उद्बोधन

नेताजी सुभाषचंद्र बोस ऐसे स्वाधीन संपन्न समाज और राष्ट्र का सपना देखते थे जिसमें व्यक्ति सब दृष्टियों से मुक्त हो और समाज तथा रा
भागीदार बने। वे नारी मुक्ति, शिक्षा और समान अवसर की बात करते थे। उन्होंने युवाओं को यह स्वप्न सौंपा ताकि आदर्श समाज और राष्ट्र का

उनका यह उद्बोधन मेदिनीपुर जिला युवक-सम्मेलन में 29 दिसंबर, 1929 को दिया गया था। इसमें उन्होंने एक नया सर्वांगीण स्वाधीन संपन्न
जातिभेद न हो, नारी समान अधिकार पाए, आर्थिक विषमता न हो, और प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा और उन्नति का समान अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि ऐसा राष्ट्र जो आलसी और अकर्मण्य के लिए स्थान न दे, जो विश्व में आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित हो, वह उनका स्वप्
स्वप्न स्वीकार करने और इसके लिए समर्पित होने का आह्वान किया।





मुख्य बिंदु

- स्वाधीन और संपन्न समाज का सपना।
- जाति भेद, आर्थिक विषमता का अंत।
- नारी मुक्ति और समान अधिकार।
- श्रम और कर्म की मर्यादा।
- युवाओं को स्वप्न स्वीकार करने का आह्वान।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"यह स्वप्न मैं तुम्हें उपहारस्वरूप देता हूँ — स्वीकार करो।"

अभ्यास प्रश्न

- नेताजी का स्वप्न क्या था?
- उन्होंने युवाओं को क्या संदेश दिया?
- उनके स्वप्न में नारी की क्या भूमिका थी?

Prepzy

उत्तर कुंजी

- स्वाधीन, संपन्न और समान अधिकारों वाला समाज।
- स्वप्न स्वीकार कर राष्ट्र सेवा में जुटने का संदेश।
- नारी को समान अधिकार और समाज में बराबरी का स्थान।

शब्दावली

- स्वाधीन : स्वतंत्र
- संपन्न : सम्पन्न, समृद्ध
- उद्बोधन : भाषण

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का काव्य "भारति, जय, विजय" का विश्लेषण

यह काव्य भारत की महिमा, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक समृद्धि का वर्णन करता है। कवि ने भारत को स्वच्छ, समृद्ध और शक्तिशाली □□□ है।

काव्य में प्राकृतिक तत्व जैसे कनक (सोना), शस्य (फसल), कमल (कमल का फूल), गंगा, हिम-तुषार आदि का उल्लेख है जो भारत की समृद्धि और पवित्

कवि ने भारत के गौरवशाली अतीत और उसकी शक्ति को उजागर किया है, साथ ही राष्ट्र की एकता और विजय की कामना की है।


BRAHMOS
ब्रह्मोस
बैंक
भारतीय रेल
ATM
UPI

□□□□□ □□□□□

- □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□
- □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□
- □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□

□□□□□ □□□□□□ / □□□□□□

"□□□-□□□□-□□□ □□□!"

"□□□□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□□-□□□□-□□□□□!"

[redacted]

- [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]?
- [redacted] [redacted] [redacted]-[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]?
- [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]?

[redacted]

- [redacted], [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]
- [redacted], [redacted], [redacted], [redacted], [redacted]-[redacted] [redacted]
- [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]

[redacted]

- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted] [redacted]
- [redacted]-[redacted]: [redacted] [redacted]


भार
IND
25


1976